

रैयत बचाव के लिए लगा रहा गुहार आदिवासी जमीन पर जबरन कछा का हो रहा है प्रयास



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गैर आदिवासी द्वारा बेशकीयी आदिवासी जमीन पर जबरन कछा का हो रहा है प्रयास किया जा रहा है। जमीन मालिक आदिवासी रैयत परिवार अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाते लगाते थक जा रहे हैं लैंकिन उन्हें कहीं से भी सुरक्षा नहीं मिल रही। गैर-आदिवासी लोगों ने जबरन उस जमीन पर बांड़ी रख दी। परिवार के लोग एसएसपी के लिए शिविर को विधायक सीधी सिंह से मिले और जमीन बचाने की गुहार लगायी।

मालामा रांची के पुंदाग ओपी का है। फरियादी केशव मुंडा, पिटा ख्य. खुदन मुंडा है। वरीय पुलिस अधीक्षी और विधायक सीधी सिंह को दिये आवेदन में केशवर मुंडा ने किया है कि उनकी पुंदाग में 14



खलाई बैंक के गार्ड से बाइक की लूट

रातू। थाना क्षेत्र के पाली-ब्राम्ह मार्ग एक बार फिर अपराधिक गिरह का अड्डा बन गया है। सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों को मारपीट कर बाइक और रुपये की लूट आम हो गयी है। अपराधियों ने शुक्रवार को खलाई बैंक के गार्ड इटकी रानी खट्टंगा निवासी अधिक ठाकुर को निशाना बनाया। बाम्बे से पाली पतरा तक बाइक से उनका पीछा तीन सप्तसून युद्धों में उत्तरी ओवरटक कर रोका। लाठी-डडे से मारकर जख्मी करने के बाद उनसे लाल रंग की पल्सर मोटर साइकिल जेएच 01 सीए 0735 लूट रफूचकर ही गये। घटना शाम करीब छह बजे की है। भुक्तभोगी की ओर से इसकी सूचना रातू थाने को दे दी गयी है। पुलिस इसकी छानबोन कर रही है।

दाकुगांव पुलिस ने नौ पशुओं को किया जल

दाकुगांव। दाकुगांव पुलिस ने शनिवार की सुबह क्रूरतापूर्वक ले जा रहे 9 गोश को जला किया। थाना प्रभारी कृष्णा कुमार के नेतृत्व में पुलिस को नेंखरा मोडे के पास तकरों द्वारा ले जा रहे पशुओं को जला किया। पुलिस को देखते ही तस्कर भाग खड़े हुए। विदित हो कि क्षेत्र में अवैध रुप से गोश की तस्करी वरम पर है। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में गोश की तस्करी किसी भी हाल में ही होने दिया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से तकरों में भय वापस है।

मुख्यमंत्री आमंत्रण कप फुटबॉल प्रतियोगिता कल से

सिल्ली। दो दिवसीय मुख्यमंत्री आमंत्रण कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन आगामी पांच दिसम्बर एवं छह दिसम्बर में किया जायेगा। इसकी जानकारी प्रबुद्ध कार्यालय से दी गयी। इसकी प्रतियोगिता में प्रवण्ड के 15 पंचायतों के 15 टीम भाग लेंगी। प्रतियोगिता के पहले दिन लीग मैच होगा एवं दूसरे दिन सभी फाइनल एवं फाइनल मैच खेले जायेंगे।

चान्हो: वारंटी को नेजा गया जेल

चान्हो। चान्हो पुलिस ने काफी दिनों से फरार चल रहे मांशिक वारंटी गिरफतार कर बुधवार को जेल भेज दिया। शहिद चान्हो थाना कांड सख्त 18डी का वारंटी था जिनके ऊपर धारा 395 भाग दण वी डैक्टी मामले में वारंटी से फरार चल रहा था। शहिद लातेहार जिले के चढ़वा थाना अंगत तिलेया का निवासी है। जिनके विरुद्ध एक डैक्टी को लेकर मामला दर्ज है। जिससे बाद से आरोपी फरार चल रहा था और से उसके विरुद्ध कार्ट दे गिरफतारी वारंट आदेश जारी किया गया था। और चान्हो पुलिस ने उत्तर गिरफतार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शहीद डेविड तिरगा को बीड़ीओं ने श्रद्धा सुनन अपित किया

अनगडा। 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए अनगडा के डेविड तिरगा को उनका कामता दुलाल बेंगांव पर्फूंड के अंतर्गत कल्पना के किसानों के बीच बकरा विकास काम के तहत 7 लाखुंगों के बीच नियुक्त प्रति लाभकूप चार बकरी एवं एक बकरा का वितरण किया गया। जहां बकरा वितरण एंजेंसी आइडियल फाउंडेशन के प्रोप्राइटर इरफान अंसारी ने बताया कि वह बकरी बलौकंठ बंगला नस्ल का है और वह 6 माह में 2 से 3 बच्चा देती है। बकरा विकास कामों के तहत वितरण कार्यक्रम के द्वारा संसर्व अंचल अंचल तरीके से कार्यक्रम के लिए जागरूकता का बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईटी डिपार्टमेंट के आईटी हेड अतुल कुमार, महताब आलम, कमार युप एवं युप इंजीनियरिंग रंग के उद्दीपन वितरण के लिए जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। सभी प्रतिभागी टीमों को आर्कषक आदि का सराहनीय योगदान रहा।

नातू चिंतन ही संतान के विकास का आधार

पिक्कानगड़ी। नांगडी कुदलोंग रिश्त आदित्य प्रकाश जालान सरखती विद्या मंदिर में शनिवार को मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अंतिम डॉक्टर किरण देवियी ने कहा कि सपना देखकर छोड़ना नहीं है उस सपने के ऊपर निरंतर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में विशेष अंतिम नगदी प्रांखद के जिला परिषद सदस्य पूर्ण देवी ने कहा कि मातृओं के क्रियाकलाप के ऊपर ही बच्चों का भविष्य निर्भर करता है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, दो घायल

● अपने भाई की शादी में बैंगलोर से घर आया था

खबर मन्त्र संवाददाता
ओरमांझी। अपने भाई की शादी में बैंगलोर से घर आया दुंगाहली के 30 वर्षीय युवक तरुण साहू की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उसका भाई बरुण साहू का विवाह पांच दिन पूर्व 28 नवंबर को हुआ है। शनिवार की सुबह 11 बजे के करीब हुई दुर्घटना के सबंध में बताया गया कि तरुण साहू गांव के मालिक करमानी 20 वर्ष के साथ हीरो ग्लैम बाइक जेएच 01ईटी 1543 गाड़ी मालिक का नाम निर्जन साह जो खलाई प्रखड़ के पुरानी राय के रखने वाले। गांव का नवार जेएच 01ईटी 2639 में सवार हो ब्लॉक चैक ओरमांझी जा रहा था। जैसे ही रिंगटोन बाइक के होल भाइ बरुण से एक स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा। पीछे से एक

पिपरवार: तेज रफ्तार कार घर में घुसी

पिपरवार। पिपरवार कोलांचल क्षेत्र के बहरा पंचायत के कारोंगांव से साथी समाजी से लौट रहे एक गांव सुबह 3 बजे अंतिमिति होकर स्थेय मुख्य से घर आया था। जिसमें 4 पुरुष और एक महिला बैठी हुई थी। कार में बैठे सभी लोगों को हल्की फूलों वाले आई। कार में बैठे सभी लोगों को नाम निर्जन साह जो खलाई प्रखड़ के लिए मुआवजे की गांव की गई है।

किया। जिससे बाइक असंतुलित हो दिवाइडर से टकराया, तीनों बाइक के मालिक करमानी 20 वर्ष के विवाह पांच दिन पूर्व 28 नवंबर को हुआ है। शनिवार की सुबह 11 बजे के करीब हुई दुर्घटना में बताया गया। बताया गया कि तरुण साहू गांव के मालिक करमानी 20 वर्ष के साथ हीरो ग्लैम बाइक जेएच 01ईटी 2639 में सवार हो ब्लॉक चैक ओरमांझी जा रहा था। जैसे ही रिंगटोन बाइक के होल भाइ बरुण से एक स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा। पीछे से एक



जिसी में क्रुआं से अज्ञात युवक का शव बरामद

रातू। पुलिस ने शनिवार की सुबह 8 बजे जिसी स्थित खेत के एक कुंपे से अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। उसकी उम्र करीब 26 वर्ष थी। ग्रामीणों की मौजूदी में शव का पचासामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिस्म भेज दिया गया। मामले को लेकर रातू थाने में सनहा दर्ज किया गया है। वहाँ अगले 72 घंटे तक शव को फैजार में रखा रहा। जारी किया गया। ताकिं उसकी शिवाय यहाँ रातू का शब्द बदल दिया जाए। समाचार लिये जाने के बाद रातू का शब्द बदल दिया गया। इधर थारन सपन कुमार महांशु ने बताया कि युवक के शरीर में कहीं भी जख्म के निशान नहीं हैं। इससे प्रतीत होता है कि युवक मूल दूबने से उसकी मौत हुई है।

आईएचएम ने तिरु फॉल पर किया पर्यटन यात्रा



मांडर। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रांची के बृतीय वर्षे के छात्रों ने संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए रिस्म भेज दिया। इस दौरान संस्थान के सभी शिक्षकों एवं छात्रों के बीच एक स्थानीय संस्कृति के बारे में जानने के लिए एक विषय तैयार किया गया। इस दौरान संस्थान के सभी शिक्षकों एवं छात्रों के बीच एक स्थानीय संस्कृति के बारे में जानने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए रिस्म भेज दिया। इस दौरान संस्थान के सभी शिक्षकों एवं छात्रों में जानने के लिए एक स्थानीय संस्कृति के बारे में जानने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए रिस्म भेज दिया। इस दौरान संस्थान के सभी शिक्षकों एवं छात्रों के बीच एक स्थानीय संस्कृति के बारे में जानने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से संबंधित ज्ञान देने के लिए एक विषय तैयार किया गया। प्रकृतिक एवं मनमोहक दृश्य का लुफ्त उठाने हुए खूब मर्मी की। संस्थान के प्राचार्य डॉन भूपेश कुमार ने बताया इस पर्यटन यात्रा से छात्रों को पर्यटन से स

आलोचना के स्तंभ डॉ मैनेजर पाण्डेय



रणेन्द्र कुमार

डॉ मैनेजर पाण्डेय के आवास पर पुस्तकों और टेब्ल पर पड़े दुनिया भर के साहित्यक आलोचना की प्रतिक्रियाओं की उपस्थिति ने बिना कहे ही बहुत कुछ समझाने की कोशिश की। यह अनुभव हुआ कि साहित्यक समाचार जैसी अखबारी आलोचना या छात्र छात्राओं को ध्यान में रखकर लिखी अकादमिक आलोचनाओं से भिन्न मानविकी दृष्टि से समाजशास्त्रिय भूमिका निभाने वाली एक नीतीन आलोचना पढ़ति को अंकुरित-प्रस्तुति ऐप विकसित करने में आजीवन जितना परिश्रम करना होता है। एक ऐसी आलोचना पढ़ति डॉ पाण्डेय ने हिंदी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य में समाज शास्त्र की भूमिका, साहित्य और इतिहास दृष्टि, आलोचना की सामाजिकता, अनेक संचार आदि ने हिन्दी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य की जा सकती है, बस उसे महसूस किया जा सकता है। वैसे हिंदी साहित्य विद्यार्थी न होने की एक तरह की दीनाता बोध से उत्कर्ष के लिये मैं ऐसी दो चार पुस्तकों से दो-चार होते रहने की कोशिश की है। पढ़ने समझाने के क्रम में डॉ मैनेजर पाण्डेय के आवास के शब्द और कर्म के साथ मेरे मानविक जुड़ाव गहराते गये। इसमें मेरे नगर संचार ने भी महत्वपूर्ण दुनिया भर के साहित्यक आलोचना

नेहरू के विविक के भाषा केन्द्र के तत्कालीनिवार्याक्षर और हिंदी के आलोचना के दैदायियान प्रकाश स्तंभ डॉ मैनेजर पाण्डेय से पहली भेंट तो उनकी रचनाओं के माध्यम से हुई थी। साहित्य में समाज शास्त्र की भूमिका, साहित्य और इतिहास दृष्टि, आलोचना की सामाजिकता, अनेक संचार आदि ने हिन्दी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य की जा सकती है, बस उसे महसूस किया जा सकता है। वैसे हिंदी साहित्य विद्यार्थी न होने की उपस्थिति ने बिना संस्कृति मंच के काव्यकामों में, गायत्री अधिवेशनों में डॉ पाण्डेय की उपस्थिति रहती थी। प्रतिबद्ध मार्क्सवादी आलोचक डॉ रविशुष्ण और जेपन्यू के डॉ पाण्डेय के प्रिय ध्यान में रखकर लिखी अकादमिक आलोचनाओं से जिन मार्क्सवादी भूमिका निभाने वाली एक नीतीन आलोचना का उत्पन्न होती है, और इतिहास का भीतर होता है। रचना का अस्तित्व इतिहास के भीतर होता है इतिहास के बाहर नहीं। कृतिवार्ता में उत्पत्ति में इतिहास की संक्षिप्ति को विविक भूमिका होती है और पाठकों द्वारा उनके अनुभव और मूल्यांकन का इतिहास उनके जीवन का इतिहास होता है। कलाकृतियां अपने सामाजिक परिवासिक संदर्भ में रखकर लिखी अकादमिक आलोचनाओं से जिन मार्क्सवादी भूमिका कलाकृतियां अपने संदर्भ के परे भी निभाने वाली एक नीतीन आलोचना का उत्पन्न होती है, और इतिहास का भीतर होता है। डॉ पाण्डेय के शब्द और कर्म के साथ मेरे मानविक जुड़ाव गहराते गये। इसमें परुस्तकों और टेब्ल पर पड़े दुनिया भर के साहित्यक आलोचना

आलोचना पद्धति डॉ पाण्डेय ने हिंदी विज्ञन ने कवेल हमारी दृष्टि साक्षर तराफ़ रचनाकार और पाठक के अंतर संबंधों को व्याख्यात करती व्यापक वार्षिक विमर्श का विस्तार की बनने में सफल हुई। डॉ पाण्डेय की यह अवधारणा धीरे-धीरे स्पष्ट हुई कि साहित्यक रचनाएँ इतिहास से निर्मित होती हैं और इतिहास का निर्माण भी करती है। रचना का अस्तित्व इतिहास के भीतर होता है परिश्रम से अर्जित अपनी इस बौद्धिकता से अपने समय समाज और संस्कृति के आलोचनात्मक विवेक के निर्माण द्वारा तनु तनु केवल साहित्य के हर हलचलों नहीं बल्कि समय के हर हलचलों और धड़िकों से सभी जुड़ा ग्रहण होती है। इसलिए उनकी लेखनी की प्रम्पारा की सृष्टि, वर्तमान के बोध और भवित्व की चिन्ना काऊसानी से रखाकित किया जा सकता है। उनके निधन से जो शूल पैदा हुआ है उसे आलोचना की दुनिया में भर पाना कठिन है। (लेखक प्रख्यात साहित्यकार और भारत के घर-घर में प्रयाग और संगम का रूप देखने के लिये मिलता है। हिंदू धर्म में तर्क की गुणाङ्गा है यह धर्म अपेक्ष है खुला हुआ है।) हिंदू धर्म में जब विवेकानन्द अमेरिका के शिकाया गये तब उद्धोने करा मैं जिस देश से आया हूं और जिस धर्म का प्रतिनिधि हूं भारत के घर-घर में प्रयाग और उस परित करता है प्रेणा का काम करता है। हिंदू धर्म में तर्क की गुणाङ्गा है यह धर्म अपेक्ष है खुला हुआ है।

खबर मन्त्र

गंगा-जमुनी संस्कृति

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस



है इनसे हमारे मन में जिजासा और सवाल पैदा होते हैं तब हम गुरु की खोज करते हैं। ईसाई और इस्लाम धर्म में इसकी सभावना कम है। इस्लाम में नमाज और रोजा की प्रथानाता हो गयी है। हिंदू धर्म में कर्मकांड में भी मजबूती है वह प्रतिरक्त करता है प्रेणा का काम करता है। हिंदू धर्म में तर्क की गुणाङ्गा है यह धर्म अपेक्ष है खुला हुआ है।

1887 में जब विवेकानन्द अमेरिका के शिकाया गये तब उद्धोने करा मैं जिस देश से आया हूं और जिस धर्म का प्रतिनिधि हूं भारत के घर-घर में प्रयाग और संगम का रूप देखने के लिये मिलता है।

कृतिवार्ता में उत्पत्ति में इतिहास की संक्षिप्ति को विविक भूमिका होती है और पाठकों द्वारा उनके अनुभव और मूल्यांकन का इतिहास उनके जीवन का इतिहास होता है। कलाकृतियां अपने सामाजिक परिवासिक संदर्भ में रखकर लिखी अकादमिक आलोचना या छात्र छात्राओं को इतिहास उनके जीवन से जिस देश के लिये एक अवधिकारी होती है। लोकन महत्वपूर्ण कलाकृतियां अपने संदर्भ के परे भी निभाने वाली एक नीतीन आलोचना संसार में व्याख्याति दिलाई होती है। डॉ मैनेजर पाण्डेय के आलोचना संसार में जिस देश के लिये एक अवधिकारी होती है।

एक व्यक्ति ने मुझसे सवाल किया कि मंदिर में भगवान हैं? ईश्वर को संस्कृति का आधार है। भारतीय स्त्रियां नाम के लिये नहीं मरती हैं। उनका त्याग बहुत जड़ा है। यही कारण है कि हमारी धर्म का अर्थ सीता-राम, राधे-कृष्ण का प्रतिनिधि है। उपरांगन वाहन बीचारी है और जिस देश के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के नाम से जानते हैं और उस स्थी को भी उस पति के नाम से ही जाना जाता है। एसा समर्पण की देश के सुख, समृद्धि और संस्कृति का आधार है। भारतीय स्त्रियां नाम के लिये नहीं मरती हैं। उनका त्याग बहुत जड़ा है। यही कारण है कि हमारी धर्म का सीता-राम, राधे-कृष्ण का प्रतिनिधि है। इसी क्षमता के कारण स्त्री पूजनीय होती है।

एक व्यक्ति ने मुझसे सवाल किया कि मंदिर में भगवान हैं? ईश्वर को संस्कृति का आधार है। ईश्वर से साक्षात्कार। इन्द्रजुरुष और जिस देश से आया हूं और जिस धर्म का प्रतिनिधि हूं वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

एक व्यक्ति ने मुझसे सवाल किया कि मंदिर में भगवान हैं? ईश्वर को संस्कृति का आधार है। ईश्वर से साक्षात्कार। इन्द्रजुरुष और जिस देश से आया हूं और जिस धर्म का प्रतिनिधि हूं वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और मूर्तिवाले भगवान। उस व्यक्ति का रूप में 35 साल से एक दुकान था और निश्चित ही वह ग्राम पाटी के लिये नहीं होता है।

आप पतल पर भारत चाहते हैं और

स्पीड न्यूज़

हिंडल्कों ने खनिज संरक्षण सप्ताह कल से

लोहरदगा। 29 वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण समाज को लेकर बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता दरीय प्रबंधक जिंट्रे कुमार ने की। जिंट्रे कुमार ने बताया कि हम पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह लक्ष्य के साथ मनाना है। उन्होंने कहा कि खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण के प्रति हम बेहद गंभीर हैं। इसके लिए जन जागरूकता अभियान पोस्टर, बैनर, पोपलेट, पलेक्स, स्लोन के माध्यम से करनी है। साथ ही साथ खनन कर्मी, खान मजदूर, ट्रक चालक, ग्रामीण सभी में से जन जागरूकता अभियान चलाए जाने हैं। जिससे पर्यावरण के प्रति खनिज संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ बैठक में कर्मी की भी मग्न सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें अध्यक्ष जिंट्रे कुमार, सचिव मिहिर बड़ई, अतिथियों का स्वागत एवं पुरस्कार वितरण मानव संसाधन विकास विभाग सहायक प्रबंधक सतीश विश्वकर्मी, कार्यक्रम का प्रवार प्रसार जन जन तक करने हुए डिलोमा इंजीनियर प्रज्ञान साहू एवं सीएसआर विभाग की अभ्यर्थी भारी की जिम्मेवारी दी गई। खान क्षेत्र की सज्जा सहायक प्रबंधक दंदकांत दुबे की अगुवाई में प्रमोट कुमार साहू, नांगेंद्र सिंह, सुजीत कुमार झाँ, उमेश कुमार, कैलेंडर उरांव, फुलधारी उरांव की गाठिं टीम झारा की जाएगी।

कांग्रेस ने राजेंद्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

लोहरदगा। जिला कांग्रेस

कमिटी ने तत्वावधान में कांग्रेसी नेता नेसर अहमद के अध्यक्षता में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद का जयोती मार्ग गई। कांग्रेसियों के द्वारा राजेंद्र प्रसाद का जयोती मार्ग गई। कांग्रेसियों के द्वारा राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुनन अर्पित किया गया। नेसर अहमद ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वाधीनता आदेलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे और उन्होंने भारतीय स्वाधीन के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई उन्होंने सविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन राज्य की सेवा में समर्पित कर दिया। मौके पर जिला कांग्रेस के जयोती प्रभाग, तनीरी गौहर वंदन कुमार, राजू कुमार, मनान अंसारी, शेरू खान, मनु कुमार, अमन समेत अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

विद्यालय में लगा फ्री हेल्प केंप

कैरो। उत्कृष्ट मध्य विद्यालय

खरता प्रांगण में शनिवार का सीधीएन अस्पताल केरो द्वारा शिविर लगाकर मरीजों का निशुल्क जाव व दवा का वितरण किया गया। शिविर में रांची के एम्बुलेन्स डर राकेश रंजन द्वारा बीपी, शुगर, दमा, पेट की बीमारी सहित बीमारी का जांच व इलाज कर दवा वितरण करते हुए कहा कि आज भी कारोना से सावधानी बरतने की जरूरत है। साथ ही घर में साफ साफ करने के साथ रहने से कई बीमारी से दूर रह सकते हैं। साथ में इंसान को ख्याल रखने के लिए व्यायाम भी करना चाहिए। किसी भी रहने की जांच व दवा लेने की सलाह दिया गया। मौके पर हॉस्पिटल के डायरेंटर उज्ज्वल कुमार, एनएम राजमणि उरांव व लालमणि कर्क्क व मरीज मौजूद थे।

दिव्यांगों को निला ट्राई साइकिल

लोहरदगा। विश्व दिव्यांग विद्यास के अंतर पर प्रक्षण डंसंसान के द्वारा लोहरदगा के तत्वावधान में दिव्यांग बच्चों के बीच ट्राई साइकल का वितरण किया गया। बींगुआओं रामजीवन नायक और सीडीपीओं विमला देवी ने सुनुरुल रुप पर प्रज्ञालित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके द्वारा दिव्यांग बच्चों तन्मय उंचैं, यश युवा, देव कुमार, अरमान अंसारी, दिनशु महतो, कुमुद उरांव और द्वारा लोहरदगा को ट्राई साइकल उपलब्ध कराया गया। मौके पर बींगुआओं रामजीवन नायक ने कहा कि दिव्यांग बच्चे विशेष बच्चे हैं जो हम सभी के अभिन्न अंग हैं। इन्हें भी सामान्य बच्चों की भाँति सभी अधिकारी दिया गया है। मौके पर प्रक्षण डंकरनी के ताकनीकी साहाय्य और धीरज एंटल द्वारा दिव्यांग बच्चों को विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि हम सभी की सुमुख धारा से जुड़ कर अपने स्पनों को उडान दे सकते। जिसमें इन स्पनों की भाँती आवश्यक है। रिसोर्स शिक्षिका शीलवंती मिज ने भी सभी उपस्थित माता पिता, अधिभावकों को स्काउट भत्ता, दिव्यांग बच्चों के विशेष देखभाल आदि की जानकारी दी।

जन्म-नृत्य निबंधन को ले कार्यथाला

लोहरदगा अंगी एवं

साखियों की निदेशालय, योजना एवं विकास विभाग (योजना प्रभाग) झारखण्ड, रांची के तत्वावधान में नामिक निबंधन प्रणाली

अंतर्गत ऑनलाइन जन्म-नृत्य निबंधन करने एवं इसमें प्राप्ति लाने हेतु जिला पर्यावरण सभागां पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में जिला साखियों की प्रबंधिकारी, सहायक साखियों की प्रबंधिकारी, कर्मी साखियों की सहायक द्वारा जन्म-नृत्य निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला साखियों की प्रबंधिकारी ने खनिज संरक्षण के अध्यक्षता द्वारा जन्म-नृत्य निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के निबंधन पहला कानूनी दस्तावेज़ है जिसमें बच्चे अपने विवरणों के साथ पंजीकृत हो जाता है। जन्म-नृत्य निबंधन अधिनियम, 1969 एवं आधारीक जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रेशन कार्यालय नियमावली झारखण्ड राज्य में कार्यवाही, 2009 से लागू की गई। जिला के उपायुक्त जन्म एवं मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी, प्रक्षण विकास पदाधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थान, निबंधन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। जिला के उपायुक्त जन्म-मृत्यु के जिला रजिस्ट्रेशन दर्दी होते हैं। इस प्रकार जिला साखियों की प्रबंधिकारी और सिविल सर्जन को अपर जिला रजिस्ट्रेशन के रूप में अधिकारी दिये गये हैं। सहायक साखियों की प्रबंधिकारी मान्यता, विशेष विवरणों के साथ निबंधन का समय, निबंधन करने का स्थ

